मिक्सोपैथी के खिलाफ करनाल में डॉक्टरों का प्रदर्शन

करनाल (ममो) सरकार के निर्णय के विरोध में सीएम सिटी करनाल में आईएमए से जुड़े डॉक्टरों ने मिनी सचिवालय पहुंचकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने मास्क पहन पूरी कोविड सावधानियों को ध्यान में रखते हुए और सामाजिक दूरी बनाए रखी। आईएमए ने प्रस्तावित मिक्सोपैथी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है जिसके तहत सरकार ने आयुष चिकित्सकों को आधुनिक एलोपैथिक चिकित्सा की 58 सर्जरी करने की अनुमति दी है।

आईएमए एक संगठन के रूप में आयुर्वेदिक और आयुर्वेदिक चिकित्सकों के खिलाफ नहीं है। हमारा मानना है कि आयुर्वेद हमारे देश में युगों से चली आ रही एक प्रासंगिक और उपयोगी चिकित्सा विज्ञान है। इसे पनपने और प्रगति के लिए आधुनिक चिकित्सा की बैसाखी की जरूरत नहीं है। बल्कि अधिक शोध के लिए आयुर्वेद को बढ़ावा देने की जरूरत है ताकि इसे और अधिक प्रासंगिक बनाया जा सके।

सशस्त्र सेना झंडा दिवस आयोजित

करनाल (ममो) पुलिस अधीक्षक गंगाराम पूनिया ने कहा कि भारतीय सशस्त्र सेनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका से देश का हर नागरिक परिचित है। हमारी सशस्त्र सेनाओं का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है, जिन्होंने हमारे देश की सेवा करते हुए थल, जल, वायु सेनाओं में कुर्बानियां दी हैं। वे सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग कार्यालय के सचिव व रिटायर्ड कर्नल प्रमोद कुमार यादव व उनके स्टाफ से झंडा लगवाने उपरांत कर्मचारियों को सम्बोधित कर रहे थे।

इस मौके पर सैनिक एवं अर्धसैनिक कल्याण विभाग के स्टाफ ने एडीसी वीना हुडा तथा सचिवालय के अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों को भी झंडा लगाकर उन्हें झंडा दिवस की शुभकामनाएं दीं।

पीएमएफएमई योजना में काम का मौका है, करें आवेदन

करनाल (ममो) संयुक्त निदेशक प्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र जनक कुमार ने बताया कि पीएमएफएमई योजना में जिला स्तर पर रिर्सोसेज पर्सन की आवश्यकता है जो व्यक्तिगत इकाइयों और समूहों में हैंडहोल्डिंग सहायता प्रदान करने, एफएसएसएआई, उद्यम, जीएसटी आदि के खाद्य मानकों सहित आवश्यक पंजीकरण और लाइसेंस प्राप्त करने के लिए जिम्मेदार होंगे।

उन्होंने बताया कि रिर्सोसेज पर्सन की योग्यता के अनुसार फूड टेक्नॉलजी में डिप्लोमा या डिग्री, मान्यता प्राप्त संस्थान से फूड इंजीनियर, फूड प्रोसैसिंग में 3 से 5 वर्ष का अनुभव निर्धारित की गई हैं। रिर्सोसेज पर्सन को भुगतान बैंक द्वारा उन्हें ऋण की मंजूरी के बाद उनके द्वारा समर्थित प्रत्येक लाभार्थी के आधार पर किया जाएगा। भुगतान के रूप में 20 हजार रुपये प्रति बैंक ऋण, 50 प्रतिशत भुगतान बैंक ऋण की मंजूरी के बाद किया जाएगा और शेष 50 प्रतिशत इकाईयों द्वारा जीएसटी, एफएसएसएआई और उद्योग पंजीकरण लेने के बाद किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आवेदन संयुक्त निदेशक जिला उद्योग केन्द्र करनाल में आईटीआई चौक कुंजपुरा रोड के पास तथा विभागीय ईमेल आईडी gmdickarnal@yahoo.in पर भी भेजे जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए फोन नम्बर 0184-2230592 तथा 8929402238 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

गांव पाड़ा में नहीं हो सका सीएम का प्रोग्राम, किसानों ने टेंट उखाड़ा

करनाल (ममो) गांव पाड़ा में सीएम के कार्यक्रम स्थल से टेंट फाड़ने व जगह को किसानों द्वारा नुकसान पहुंचाने के बाद सीएम का पाड़ा में कार्यक्रम रद्द होने के बाद सीएम ने अपने विधानसभा क्षेत्र करनाल में रेलवे रोड स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत स्मार्ट शिक्षा परियोजना का उद्घाटन किया। पुलिस ने यहां सीएम के कार्यक्रम को लेकर कड़ा पहरा बनाए रखा। इस मौके पर सीएम मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों में आधुनिक शिक्षा पद्धति का समावेश कर शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाया जा रहा है। प्रदेश में प्ले स्कूल खोलने के साथ-साथ मॉडल संस्कृति स्कूल भी बनाए जा रहे हैं।

सीएम ने मंगलवार को पाड़ा में कार्यक्रम में शिरकत करनी थी। इसके लिए प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली थी। किसान आंदोलन के चलते किसानों ने रात को ही कार्यक्रम का टेंट उखाड़ दिया और स्थल को खंडित कर दिया। इतना ही नहीं सीएम के हेलिकाप्टर को उतरने के लिए हैलीपेड बनाया गया था। इस हैलिपेड को भी किसानों ने तोड़ दिया। इससे कार्रवाई से डरे प्रशासन ने सीएम के कार्यक्रम को ही रद्द करवा दिया।

इन्द्री में किसानों ने जोरदार प्रदर्शन

इन्द्री (ममो) किसानों ने 8 दिसंबर को भारत बंद को सफल बनाया। प्रशासन ने भी इस बंद को लेकर पूरी तैयारियां कर रखी थी। शहर के हर चौराहे पर पुलिस की तैनाती थी लेकिन फिर भी किसान आंदोलन पूर्ण रूप से सफल रहा। सभी वर्गों,दुकानदारों, रेहडी, फड़ी वालों, मंडी आढ़तियों व अन्य सभी व्यापारिक संगठनों ने किसानों का समर्थन किया। विभिन पार्टीयो के नेताओं ने किसान आंदोलन में पहुंचकर किसानों का समर्थन किया। समर्थन करने के लिए पूर्व मन्त्री भीम मेहता, पूर्व विधायक राकेश काम्बोज, कांग्रेस के नेता, सुनील पंवार, कर्मसिंह खानपुर, सचिन बुढ़नपुर, इनेलो नेता प्रदीप काम्बोज सहित कई राजनीतिक दलों के स्थानीय नेता धरने पर किसानों के बीच पहुंचे।

गर्भवती महिलाओं को काम की सलाह

करनाल (ममो): सिविल सर्जन डा. योगेश शर्मा ने गर्भवती महिलाओं को सलाह दी है कि वे हर महीने 9 तारीख को लगने वाले प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान में हिस्सा लें। उस दिन महिला डॉक्टर माता में होने वाले खतरों के लक्षणों की पहचान करती हैं। समय पर इन खतरों की पहचान करके बहुत सी माताओं की मौत को बचाया जा सकता है। इसी के तहत बुधवार को जिले में 19 सरकारी संस्थाओं में यह कैम्प लगाया गया है, जिसमें कल्पना चावला राजकीय मैडिकल कालेज, जिला नागरिक अस्पताल, एसडीएच नीलोखेड़ी, जीएच असन्ध, 5 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र घरौंडा, बल्ला, निसिंग, इन्द्री, तरावड़ी व 10 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खुखनी, कुंजपुरा, मधुबन, भादसों, सग्गा, निगदू, गगसीना, बरसत, चौरा, व पोपड़ा शामिल है।

ईएसआई अस्पताल सेक्टर-8 में किसी भी सर्जरी का इंतजाम नहीं

फरीदाबाद (ममो): सरकार ने आयुर्वेदिक चिकित्सकों को विभिन्न प्रकार की सर्जरी करने की इजाजत तो दे दी है पर वो सर्जरी होगी कहाँ और करेगा कौन इसके हाल जानते हैं फरीदाबाद सेक्टर-8 स्थित ईएसआई अस्पताल के हाल से।

सेक्टर-8 फरीदाबाद ईएसआई अस्पताल में गरीब मजदूर इलाज करवाने आते हैं पर अस्पताल का जो आलम है उसे देख कर लगता है कि यहाँ आने वाला हर व्यक्ति ठीक हो न हो, बीमार हो कर जरूर वापस जाएगा। अस्पताल परिसर में दाखिल होने पर जान पड़ता है कि किसी ब्रिटिश काल के खँडहर में आ गए हों। टूटी सड़कें और गड्ढों में जमे पानी में पक्की सड़क खोजना एक मुश्किल काम है, अस्पताल की इमारत से झड़ता प्लास्टर और सफेदी अस्पताल को पुरातन काल का बताता है।

अस्पताल में आयुष विभाग के बारे में पता करने पर ज्ञात हुआ कि यहाँ आयुर्वेद के नाम पर न तो कोई चिकित्सक है न ही कोई आयुर्वेदिक चिकित्सक की पोस्ट क्रिएट की गई है। अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि पहले ईएसआई तीन नंबर में आयुर्वेदिक चिकित्सक की पोस्ट थी। उस अस्पताल को कारपोरेशन के तहत जाने के बाद लगभग कई पोस्ट ईएसआई-8 में ट्रांसफर की गईं पर आयुर्वेद की न तो पोस्ट यहाँ ट्रांसफर हुई, न ही बनी, न ही कोई चिकित्सक ही आज तक यहाँ भेजा गया।

क्योंकि इस अस्पताल में अधिकतर गरीब ही इलाज कराने आते हैं तो बेहतर हो यदि यहाँ आयुष की एक पोस्ट तो क्रिएट की जाती जो कि अब तक नहीं है।

24 साल की ममता को अपनी माँ का सिटी स्कैन करवाना है और ईएसआई तीन नम्बर बंद होने के बाद सेक्टर-8 ईएसआई ले आई। यहाँ सिटी स्कैन की सुविधा ही नहीं है तो ममता चाहती हैं, अस्पताल उनकी माँ को किसी निजी अस्पताल में रैफर कर दे। मात्र रेफर करवाने के लिए तीन दिन बूढी माँ को लेकर अस्पताल के चक्कर काटने पड़ें।

अस्पताल में कमरा नंबर 141 की तरफ जाते समय दायें हाथ पर एक शौचालय के हाल चांदनी चौक के बल्लीमारान में सड़ रहे किसी भी शौचालय से बदतर हैं। टूटा फर्श चारों ओर गन्दगी का अम्बार और शाफ्ट में जाती ड्रेनेज पाइपों से टपकता गंदा पानी और गुप अँधेरा इतना भयानक है कि शायद ही कोई इसमें दाखिल होता हो।

इतनी अव्यवस्थाओं का कारण सबके लिए अलग-अलग है पर असल समस्या एक ही है और वो है सरकार का नजरिया। मरीजों को लगता है क्योंकि डाक्टर को आठ बजे आना था और अब तक अपने कमरे में नहीं है तो यही है असली दोषी। डाक्टर का इंतजार करते मरीज उत्सुकतावश कमरे के दरवाजे पर मधुमक्खी सा चिपकने लगते हैं क्योंकि उन्हें डर है कोई और कहीं दूसरे रास्ते से भीतर न घुस जाए, वे कई घंटों से इंतजार में हैं तो उनका नंबर पहले आना चाहिए। क्योंकि चिकित्सक को ओपीडी भी देखनी है तो वह देर से ही आ सकेगा और इस बीच मरीजों की भीड़ बढ़ती जाएगी जिसे संभाल पाना मात्र एक गार्ड के वश का नहीं हो सकता। ऐसे में जब मरीज एक-दूसरे पर लदेंगे तो गार्ड व अस्पताल प्रशासन जो पहले ही कई अन्य समस्याओं से घिरे हैं को सारी समस्या इन गरीब मजदूरों में ही दिखेगी। पर जैसा के हमने पहले लिखा असल समस्या सरकार की सोच और कार्यशैली में है। अस्पताल की एमएस डाक्टर अंजली ने बताया कि उनके पास चिकित्सकों की कमी है और मरीजों की बहुतायत, सो काम करने में मशक्कत होती है। गाईनी, ओर्थो व एक अन्य विभाग के चिकित्सक कोरोना से संक्रमित हैं ऐसे में मरीजों को अटेंड कर पाना बहुत मुश्किल हो रहा है।

डा. अंजली से पहले एमएस की सीट पर डॉ. बंसल थे जो कि अस्पताल में एक मात्र सर्जन थे। पूरे कोरोना काल में वे एमएस के चार्ज में भी रहे और बतौर सर्जन भी अपनी ड्यूटी करते रहे। अब डॉ. अंजलि के चार्ज लेने के बाद डॉ. बंसल सर्जरी के लिए उपलब्ध हुए हैं अन्यथा अस्पताल में सर्जरी हो पाना ही एक अजूबा बन गया है।

डॉ. अंजलि से रेबीज के टीके के बाबत बात करने पर ज्ञात हुआ कि फिलहाल अस्पताल में रेबीज का टीका नहीं है पर उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही आ जाएगा। इससे पहले भी मजदूर मोर्चा की कई विजिट में अस्पताल में कभी भी रेबीज का टीका नहीं मिला जबकि अस्पताल में आवारा कुत्तों ने खेल का मैदान बनाया हुआ है। रेबीज के टीके का ऐसा हाल सिर्फ इसी अस्पताल में नहीं है बल्कि फरीदाबाद शहर के स्मार्ट अस्पताल बीके में भी दो दो साल से टीके की अनुपलब्धता बनी हुई है।

मजदूरों के पैसे से बना मजदूरों का एनआईटी तीन स्थित ईएसआई अस्पताल कोरोना के नाम पर छीन लिया गया। अब वहां के मरीजों को ईएसआई सेक्टर-8 भेज दिया गया। यहाँ चिकित्सकों की संख्या को नहीं बढ़ाने के साथ-साथ न तो आधारभूत संरचना की व्यवस्था की गई न ही दवा की, पर बड़े से बैनर और फ्लेक्स लगवा दिए गए जिनमे डिजाईनजर गमछे पहन कर मोदी-खट्टर के नाम पर कोरोना से बचाव का उपदेश लिखवा दिया गया है। शायद इन्ही से जनता का इलाज हो जाए पर सच ये है कि ये मार्केटिंग और बैनर,पोस्टर और मार्केटिंग की संस्कृति ही इस देश को हर रूप में बीमार कर रही है और लोग एक-दूसरे को दोषी समझ गालियाँ देकर अपना नागरिक कर्तव्य पूरा कर रहे हैं।

वैसे बताते चलें कि जिन चिकित्सकों पर फूल और थाली बजाने का ढोंग मोदी ने किया अब आये दिन उन्हें अपने हक मांगने के लिए दसवीं, बारहवी पास किये पुलिस के सिपाहियों से डंडे पड़वाये जा रहे हैं।

काम की खबरें

फरीदाबाद

सहकारी समितियों को निर्देश

हरियाणा सरकार ने राज्य में पंजीकृत सभी सहकारी समितियों को जल्द से जल्द वेब पोर्टल http://rcsharyana.gov.in पर अपने रिकॉर्ड अपलोड करने का निर्देश दिया है। इन निर्देशों का पालन करने में विफल रहने वाली सोसायटीज के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल शिक्षक तबादला नीति बदली

शिक्षकों के सुझावों पर गौर करते हुए हरियाणा सरकार ने स्कूल शिक्षक तबादला नीति में संशोधन किया है। इसका लाभ उन शिक्षकों को मिलेगा जो अपने भरे हुए ऑप्शन में तबादला नीति के आधार पर मेरिट में नहीं आ पाते थे। अब भरे गए ऑप्शन में से कोई स्टेशन नहीं मिलने पर ऐसे शिक्षकों से दोबारा ऑप्शन मांगे जाएंगे। इससे वे शिक्षकों के तबादले होने के बाद निकटवर्ती स्टेशन का ऑप्शन भर सकेंगे। इसके तहत ऐसे शिक्षक मेवात काडर में भी निकटवर्ती रिक्त पद का ऑप्शन भी भर सकेंगे।

स्कूल सोमवार से खोलने का निर्देश

हरियाणा शिक्षा विभाग ने 10वीं से 12वीं के विद्यार्थियों के लिए सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों को 14 दिसंबर से खोलने का निर्देश दिया है। स्कूलों को आदेश दिया गया है कि इन बच्चों के सेहत की जांच स्कूल परिसर में हर्गिज न की जाए, बल्कि इसके लिए निकट की पीएचसी और सीएचसी में मुफ्त व्यवस्था की जाए। ऐसा फैसला बाकी बच्चों को संक्रमण से बचाने के लिए लिया गया है।

गौशालाओं का सर्वे और मैपिंग का निर्देश

हरियाणा के मुख्य सचिव विजय वर्धन ने संबंधित अधिकारियों को गोबरधन योजना के तहत बायोगैस प्लांट लगाने के लिए प्रदेश में गौशालाओं का सर्वेक्षण एवं मैपिंग करने के निर्देश दिए हैं, ताकि इन प्लांट से गांवों में सस्ती दरों पर बिजली या खाना पकाने के लिए गैस मुहैया करवाई जा सके।

शराब दुकानों पर इलेक्ट्रॉनिक बिक्री रसीद जरूरी

उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि 15 जनवरी 2021 तक राज्य के सभी जिलों के शराब विक्रेताओं के सेल केन्द्रों पर इलेक्ट्रॉनिक तरीके से बिक्री रसीद काटा जाना तय किया जाए। इससे गैरकानूनी तरीके से शराब की बिक्री को रोका जा सकेगा और निगरानी सही ढंग से की जा सकेगी।

निजी स्कूलों की मान्यता 1 साल बढ़ी

विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए हरियाणा सरकार ने गैर मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को राहत प्रदान करते हुए वर्ष 2020-21 के लिए अस्थाई मान्यता/शिक्षा बोर्ड से सम्बद्धता प्रदान कर दी है। यह मान्यता इस आधार पर एक वर्ष के लिए बढ़ाई गई है।

एससी-एसटी छात्रवृत्ति योजना 15 तक खुली

अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही डॉ. बी.आर. आंबेडकर मेधावी छात्रवृत्ति संशोधित योजना के वर्ष 2020-21 में छात्रवृत्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 15 दिसम्बर कर दी गई है। इससे पहले इसकी आखिरी तारीख 30 अक्टूबर थी।